भारत सरकार
गृह मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 75
दिनांक 07.12.2022/16 अग्रहायण, 1944 (शक) को उत्तर के लिए

कश्मीरी पंडितों के पुनर्वास हेतु प्रधानमंत्री पैकेज

75. श्री मल्लिकार्जुन खरगे:

क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) विगत पांच वर्षों में कितने कश्मीरी पंडितों का पुनर्वास किया गया है और तत्संबंधी वर्ष-वार ब्यौरा क्या है;
(ख) विगत पांच वर्षों के दौरान प्रधानमंत्री पैकेज के अंतर्गत कितने कश्मीरी पंडितों को आवास और रोजगार प्रदान किए गए हैं और तत्संबंधी वर्ष-वार ब्यौरा क्या है;
(ग) विगत पांच वर्षों के दौरान विशेष रूप से लक्षित हत्याओं और जीवन को खतरे के कारण कश्मीर घाटी से पलायन करने वाले कश्मीरी पंडितों की वर्ष-वार संख्या कितनी है; और
(घ) क्या सरकार कश्मीरी पंडितों के पुनर्वास हेतु प्रधानमंत्री पैकेज के अंतर्गत सुरक्षित पुनर्वास हेतु प्रदान किए गए लाभों को बढ़ाने और उन्हें विस्तृत करने की योजना बना रही है?

उत्तर

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री नित्यानंद राय)

(क) और (ख): प्रधान मंत्री विकास पैकेज, 2015 के तहत, कश्मीरी प्रवासियों के लिए 3000 सरकारी नौकरियों का सृजन किया गया है। जिनमें से 2639 कश्मीरी प्रवासियों को पिछले पांच वर्षों में नियुक्त किया गया है। वर्षवार की गई नियुक्तियों का विवरण इस प्रकार है:-

2020-2021	-	841
2021-2022	-	1296
2022-2023(अभी तक)	-	502

शेष 361 में से, 198 पदों के लिए चयन प्रक्रिया पूरी होने के विभिन्न चरणों में है, 40 पद उन मामलों से संबंधित हैं, जो विचाराधीन हैं और 123 पदों के लिए फिर से विज्ञापित किया गया है। सरकार ने जम्मू और कश्मीर संघ राज्य क्षेत्र सरकार के विभिन्न विभागों में नियुक्त किए गए/नियुक्त किए जा रहे कश्मीरी प्रवासी कर्मचारियों के लिए 6000 ट्रांजिट आवासों के निर्माण का भी अनुमोदन प्रदान किया है। जिसमें से 1025 इकाइयों का निर्माण पूर्ण/पर्याप्त रूप से पूरा हो चुका है। इसके अलावा, भारत सरकार कश्मीरी प्रवासियों को 3250/- रुपये प्रति व्यक्ति की दर से मासिक नकद राहत की प्रतिपूर्ति करती है, बशर्ते कि इसकी अधिकतम सीमा 13000/- रुपये प्रति परिवार होगी।

(ग): पिछले पांच वर्षों मे किसी नए प्रवासी को पंजीकृत नहीं किया गया है।

(घ): जम्मू और कश्मीर संघ राज्य क्षेत्र सरकार की अनुशंसा पर कश्मीरी प्रवासियों को नकद राहत में वृद्धि पर समय-समय पर विचार किया जाता है।

*****